सार-समाचार

झीलों के घाट पर पशुमल चिंताजनक

उदयपुर, (कासं)। पर्यटन के सीजन में उदयपुर की पीछोला झील के घाटों और किनारो पर गंदगी का अम्बार लगा हुआ है।झील मॉनिटरिंग के अभाव में अमरकुंड के घाट पर कुत्तों और पशु मल यत्र तत्र फैला हुआ है। इस पीडादायक स्थिति पर रविवारीय श्रमदान पश्चात निराशा व्यक्त करते हुए झील विकास प्राधिकरण के पूर्व सदस्य तेज शंकर पालीवाल ने कहा कि झील किनारे के घाट हमारी सांस्कृतिक विरासत है इन्हे साफ सुथरा रखना निगम के साथ नगरवासियो का भी दायित्व है साथ ही झील किनारे होटल व्यवसाय से झील के पानी की स्वच्छता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड रहा हैं।पर्यावरण विषेशज्ञ नंद किशोर शर्मा ने कहा की जिस तेजी से झील किनारे व्यवसायिक गतिविधियों का बढना चिंताजनक है। पर्यटक नगरी के घाटो की नियमित सफाई सुनिश्चित होनी चाहिए जहा पर्यटक बेठ कर झील को निहार सके ।शहर की झीलें मात्र पर्यटन स्थल ही नहीं है वरन शहर के पेयजल स्त्रोत भी है अतः सतत् मॉनिटरिंग की दरकार है।वरिष्ठ नागरिक द्रुपद सिह ने कहा कि प्राकृतिक स्वरूप से ओतप्रोत शहर की झीले सदा स्वच्छ रहे इसके लिए प्रशासनिक मुस्तैदी जरूरी हैं । युवा पर्वतारोही कुशल रावल ने कहा कि पालतू कुतो को झील किनारे एवं घाटों पर मलत्याग हेतु घुमाने पर पूर्ण प्रतिबंध जरूरी है । पेयजल की गुणवता को बनाए रखने के लिए प्रशासन फ्लोटिंग कचरा,सीवर एवं घाटों की सफाई व्यवस्था को प्राथमिकता से सुदृढ करनी चाहिए। झील श्रमदान के नितेश कुमार कुमत एवं गोपाल कुमावत सहित झीलप्रेमियो ने भाग लिया।

भंडार से 5 लाख 57 हजार रुपए प्राप्त

मंडफिया, (निसं)। नरबदिया गांव स्थित अनगढ़ बावजी तीर्थ स्थल मंदिर का भंडार अमरा भगत सेवा संस्थान के अध्यक्ष कालूलाल गाडरी सोहन खेड़ा की अध्यक्षता में एवं कमेटी सदस्यों की उपस्थिति में खोला गया। अमरा भगत सेवा संस्थान के सचिव भेरू लाल गाडरी भूत खेड़ा ने बताया कि खोले गए भंडार से 5 लाख 57 हजार 80 रुपए नगद प्राप्त हुए। भंडार गिनती में सचिव भेरूलाल भूत खेड़ा, सदस्य कैलाश कुरेठा, भेरूलाल करजाली, टोडू राम लोहारिया, उदय लाल गीदा खेड़ा, कैलाश मावरा, पुजारी मांगीलाल, गोटूलाल लोहारिया सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। इसी तरह भादसोड़ा कस्बे में स्थित प्राचीन श्री सांवलिया जी सेठ मंदिर का भंडार भी खोला गया। रमेश अठावाल ने बताया कि भंडार से 14 लाख 95 हजार 360 रुपए नगद प्राप्त हुए। इसके अलावा ऑनलाइन से एक लाख 81 हजार रुपए प्राप्त हुए। इसी के साथ भंडार से 243 ग्राम वजनी एक चांदी की सिल्ली व चांदी की बांसुरी एवं विदेशी नोट भी प्राप्त हुए।

सत्य कलम पुरस्कार का आयोजन आज

उदयपुर, (कासं)। पत्रकारिता के क्षेत्र में सत्य, साहस और जिम्मेदारी की आवाज को सम्मानित करने के उद्देश्य से शी सर्कल इंडिया (एससीआई) द्वारा सोमवार को 'सत्य कलम पुरस्कार' का भव्य आयोजन सितारा ग्रैंड, नाकोडा पुरम में किया जाएगा। कार्यक्रम में चयनित पत्रकारों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। समारोह की मुख्य अतिथि मेवाड की सम्मानित हस्ती श्रीमती निवृत्ति कुमारी मेवाड होंगी। शी सर्कल इंडिया की संस्थापक तारिका भानुप्रताप ने बताया कि सत्य कलम पुरस्कार उन पत्रकारों को समर्पित है जो निष्पक्षता, निडरता और सामाजिक सरोकारों के साथ अपनी लेखनी के माध्यम से समाज को जागरूक करने का कार्य कर रहे हैं। यह सम्मान पत्रकारिता के मूल मूल्यों को सशक्त करने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। इस अवसर पर शहर के अनेक विशिष्ट अतिथि, वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी उपस्थित रहेंगे।

जेवरात व नकदी चोरी

उदयपुर, (कासं)। शहर के सवीना थाना क्षेत्र में स्थित सूने मकान का ताला तोड़ चोर जेवरात व नकदी चुरा ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित सुरेन्द्र गोतम पुत्र किशनचन्द्र गोतम निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी सविना सेक्टर 9 हिरणमगरी ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीडित ने बताया कि 20 नवंबर को मैं परिवार सहित बाहर गया था। वापस लौटा तो मकान का ताला टूटा हुआ एवं कमरों की अलमारियों के ताले टूटे व सामान बिखरा पड़ा था। तलाशी ली तो सोने को हार, मंगलसूत्र, चेने तीन, कान के सेट, तीन नथ, ढाईसो ग्राम चांदी के जेवर तथा 60 हजार रूपये नकदी गायब थी। इस पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया।

लाखों की धोखाधड़ी

उदयपुर, (कासं)। शहर के अम्बामाता थाना पुलिस ने अरोपी कंपनी के खिलाफ पीडित को झासा देकर लाखों की नकदी हडपने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित जयदीपसिंह चौहान निवासी झील रेजीन्सी हिरणमगरी सेक्टर 14 ने आरोपी फतहपुरा विद्या मार्ग सागर एनक्लेव स्थित इको सोलर एनर्जी प्रा. लि.के निदेशक बृजभूषण के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीडित ने बताया कि वर्ष 2024 में आरोपी कंपनी के साथ एग्रीमेंट हुआ तथा 250 साईकल देने का सौदा तय कर 36 लाख 86 हजार का भुगतान किया तथा शेष नकदी 66 लाख 73 हजार 750 रूपये का चैक दिया। जो बैंक में प्रस्तुत करने पर अनादरित हो गया। इसको लेकर संपर्क किया तो आरोपी ने टालमटोल करना शुरू कर दिया।

इवेन्ट कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। शहर के अम्बामाता थाना पुलिस ने इवेन्ट कंपनी से काम करा पीडित को भुगतान कर धोखाधड़ी करने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित विष्णुशंकर पुत्र नारायण लाल तेली निवासी 80 फीट रोड़ की स्पार्क इवेंट के नाम से कंपनी है। पीड़ित ने नेहा गुर्जर नामक आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीडित ने बताया कि मैं इवेन्ट का काम करता हूं। वर्ष 2025 में आरोपी ने फोन कर रणकपुर सादड़ी में स्थित गार्डन अरावली रिसोर्ट में तीन दिन का काम करने का ऑर्डर दिया। 20 लाख रूपये में काम तय होने पर आरोपी ने 4 लाख 72 हजार रूपये नकदी का भुगतान नहीं किया। इसको लेकर संपर्क किया तो चैक दिया जो बैंक अनादरित हो गया।

हमले में व्यक्ति घायल

उदयपुर, (कासं)। शहर के सूरजपोल थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पीडित पर प्राणघातक हमला करने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जनकारी के अनुसार पीडत समीर खां पुत्र अब्दुल रहमान निवासी पटेल सर्कल दीवानशाह कॉलोनी ने आरोपी मो. अयान नामक आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि 15 जनवरी रात में पैदल पैदल जा रहा था। इस दौरान आए आरोपी मुझे रोक कर सिर में नुकीले हथियार से हमला कर फरार हो गया। इसको देख चिल्लाने की आवाज सूनकर आए लोगों ने चिकित्सालय में भर्ती करवाया। सूचना मिलने पर इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

गांजा तस्करी का आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। डबोक थाना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान गांजा तस्करी मामले में फरार आरोपी को गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार फतहनगर पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज में अनुसंधान अधिकारी डबोक थानाधिकारी हुकमसिंह मय टीम ने जटिया माहेल्ला सनवाड़ फतहनगर निवासी राकेश पुत्र गंगाराम को गिरफ्तार किया। इस मामले में पूर्व में पुलिस ने आरोपी आशीष कुमार पुत्र मुकेश कुमार निवासी सालाउटिया बिजोलिया भीलवाड़ा हॉल इंटाली चौराह फतहनगर को गिरफ्तार कर अवेध गांजा बरामद किया था। पूछताछ में आशिष ने गांजा राकेश से लेना बताया था।

भजन संध्या आज, वरघोड़ा कल

राजसमन्द। लाखों श्रद्धालुओं के आस्था केन्द्र एवं प्रसिद्ध शक्ति स्थल आशापुरा माताजी ट्रस्ट पाटस्थान का वार्षिक पाटोत्सव एवं महाराव लाखणसी चहुआंण का 1082वां जयन्ती समारोह मंगलवार को हर्षोल्लास से मनाया जाएगा जबकि सोमवार को पूर्व संध्या पर भजन संध्या कार्यक्रम होगा। महोत्सव में राजसमन्द जिले सहित पूरे मेवाड व मारवाड के अलावा दूर-दराज स्थानों से हजारों श्रद्धालु भागीदारी करेंगे। ट्रस्ट कोषाध्यक्ष भगवत सिंह चौहान गुलाल ने बताया कि मुख्य समारोह के तहत मंगलवार को प्राचीनतम गढी माताजी स्थल से हजारों भक्तों की सहभागिता में मनोहारी झांकियों के साथ दिव्य ज्योत का वरघोडा धूमधाम से निकलेगा जो शक्तिपीठ की मान्यता अनुसार विशिष्ट माना जाता है। वरघोडा आशापुरा माताजी मंदिर पहुंचेगा जहां विशेष सेवा, पूजा, महाआरती सहित अन्य कार्यक्रम होंगे। समारोह में गढ सिवाना गादीपति नृत्य गोपालराम महाराज, गुडा मांगलियान के संत कृष्णभक्त दाता महेन्द्रानंद गिरी महाराज सहित अन्य संतवृन्द का सान्निध्य रहेगा वहीं ट्रस्ट से जुडे सभी पदाधिकारियों व सदस्यों उपस्थिति में समारोह होगा।

राजसमन्द जिले में धड़ल्ले से हो रहा अवैध बजरी दोहन

राजसमन्द, (निसं)। राजस्थान सरकार अरावली क्षेत्र में अवैध बजरी दोहन को लेकर अभियान चला रही है एवं बजरी माफि याओं पर नकल कसने की तैयारी में लगी हुई है, वही दूसरी ओर राजसमन्द जिले में जिला प्रशासन, माईनिंग विभाग एवं बजरी माफि याओं की मिलीभगत से प्रतिदिन धडल्ले से बजरी दोहन हो रहा है। राजसमन्द जिलें में इस अवैध बजरी दोहन को रोकने में जिला प्रशासन एवं माईनिंग विभाग अभी तक नाकामयाब रहा है एवं कोई ठोस कार्यवाही नही कर पाया जिससे क्षेत्र में हो रहे अवैध बजरी खनन में सफलता मिली हों।

क्षेत्र में आए दिन बजरी दोहन के साथ साथ अपराधिक घटनाएं भी बढती जा रही है। हाल ही में 15 जनवरी को राजसमन्द जिला पुलिस एवं डीएसटी टीम द्वारा रेलमगरा के ओडा क्षेत्र में डम्पर, ट्रेक्टर एवं एलएनटी मशीन को अवैध बजरी खनन करते हुए जब्त किया लेकिन ये कार्यवाही कागजों तक ही सिमित रही और उसके मात्र 48 घंटो बाद पुनः उसी ओडा, पीपली आचार्यान, मोही, राज्यावास क्षेत्र में धडल्ले से बजरी दोहन हो रहा है, जबकि इन चिन्हित क्षेत्रों पर खनन रोकने हेतु माइनिंग विभाग के बॉर्डर होमगार्ड भी तैनात कर रखे है।

इससे साफ जाहिर होता है कि पुलिस एवं डीएसटी टीम द्वारा की गई कार्यवाही सिर्फ लीपापोती ही थी एवं कार्यवाही उन्ही पर की गई जो प्रशासन की साठ गांठ में नही आते है, क्योंकि वास्तविकता में इसका असर कार्यवाही की गई सीमा क्षेत्र के 2-3 किमी. में भी नही पडा और खनन हो ही रहा है। वहां पर माईनिंग विभाग द्वारा तैनात बॉर्डर होमगार्ड भी बजरी माफि याओं से पैसे लेकर खनन करवा रहे है। बजरी माफि याओं एवं जिला प्रशासन एवं माईनिंग विभाग की साठ गांठ से राजसमन्द तहसील के मोही, पीपली आचार्यान, राज्यावास एवं रेलमगरा तहसील के ओडा आदि गांवों में बनास नदी एवं आसपास के किसानों की खातेदारी जमीन से धडल्लें से बजरी दोहन हो रहा है। ग्रामीणों द्वारा कई बार शिकायतें करने भी प्रशासन मौके पर नहीं पहुंच पाता जिससे बजरी माफियाओं के हौसले ओर भी ज्यादा बुलंद होते जा रहे है। एक तरफ राज्य सरकार बजरी दोहन रोकने के लिए पुरी तरह सतर्क है लेकिन दूसरी तरफ राजसमन्द जिला प्रशासन प्रदेश सरकार के आदेशों को ताक में रखकर सरकार की छवी को धूमिल करने का काम कर रहा है। बजरी माफियाओं द्वारा क्षेत्र में प्रतिदिन 100से ज्यादा डम्पर एवं 500 से ज्यादा ट्रेक्टरों से बजरी दोहन किया जा रहा है। बजरी माफि याओं द्वारा पैसे लेकर टोकन दिया जाता है तथा डम्पर एवं ट्रेक्टर मालिक को आश्वस्त किया जाता है कि प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार की कोई कार्यवाही नही की जाएगी, जिससे साफ जाहिर होता है कि प्रशासन इन बजरी माफि याओं से मिला हुआ है।

डम्पर चालक बिना नम्बरों के डम्परों से बजरी दोहन करते जिससे तेज स्पीड से निकलने पर गांव में किसी घटना को अंजाम देने पर भी उनका कोई पता नही चल पाता है। ये बजरी माफि या रात्रि के समय हथियारों से लेस एवं गैंग के साथ डम्परों के आगे पीछे चलते है जिससे ग्रामीणों में दहशत बनी रहती है एवं विरोध करने पर ग्रामीणों को जान से मारने तक पर ऊतारु हो जाते हैं।

शिविर आयोजित

उदयपुर, (कासं)।भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के वीर सपूत,शहीद हेमू कालाणी की 83वीं पुण्यतिथि के अवसर पर समाज और युवाओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर श्री बिलोचिस्तान पंचायत, सिंधी सेंट्रल युवा सेवा समिति,भारतीय सिंधु सभा समिति और शहीद हेमू कालाणी युवा मंच के संयुक्त तत्वावधान में शक्तिनगर स्थित सनातन मंदिर परिसर में रक्तदान एवं निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ शहीद हेमू कालाणी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर किया गया। पदाधिकारियों व समाजजनोंने श्रद्धासुमन अर्पित कर शहीद को सम्मानित किया। सिंधी सेंट्रल युवा संगठन के अध्यक्ष विजय आहूजा ने बताया कि रक्तदान शिविर प्रातः 10 से अपराह्न 3 बजे तक आयोजित किया गया। आरएनएनटीए मेडिकल कॉलेज की टीम के सहयोग से कुल 31 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया।

राज्य स्तरीय पशुपालक प्रशिक्षण शिविर संपन्न

उदयपुर, (कासं)। राष्ट्रीय पशुधन मिशन उद्यमिता कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य स्तरीय पशुपालक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र, बड़गांव में पशुपालन विभाग द्वारा किया गया। इस प्रशिक्षण शिविर में जोधपुर, जयपुर, कोटा, बीकानेर, जैसलमेर, भरतपुर एवं उदयपुर संभाग से 150 से अधिक पशुपालकों ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि उदयपुर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत ने उपस्थित पशुपालकों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय पशुधन मिशन योजना से प्राप्त जानकारी को अपने तक सीमित न रखें, बल्कि अधिक से अधिक पशुपालकों तक पहुंचाएं, ताकि वे इस योजना का लाभ लेकर अपनी आय में वृद्धि कर सकें। उन्होंने पशुपालकों से इस योजना को आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम बनाने का आव्हान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अतिरिक्त निदेशक (क्षेत्र) डॉ. लक्ष्मी नारायण मीणा ने की। उन्होंने पशुपालकों को भेड़ पालन, बकरी पालन, मुर्गी पालन एवं चारागाह विकास कार्यक्रमों में अधिक से अधिक भागीदारी लेने की प्रेरणा देते हुए कहा कि इससे न केवल स्वरोजगार के अवसर सृजित होंगे, बल्कि अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध कराया जा सकेगा। उन्होंने आश्वस्त किया कि पशुपालन विभाग पशुपालकों के साथ खड़ा है व किसी भी प्रकार की समस्या के समाधान के लिए विभागीय अधिकारियों से संपर्क किया जा सकता है प्रशिक्षण शिविर में डॉ. सुरेश जैन, डॉ. सुरेंद्र, संयुक्त निदेशक, उप निदेशक डॉ. केदार वैष्णव, दत्तात्रेय चौधरी, राजकिशोर बंसल, राजेंद्र गोयल एवं मुकेश नागौरी द्वारा पशुपालकों को विभिन्न तकनीकी जानकारियां प्रदान की गई। वहीं बैंक प्रतिनिधि डॉ. गुप्ता एवं नीरज यादव ने डीपीआर एवं प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी।

उदयपुर के थानों में हटेंगे पांच साल से तैनात कांस्टेबल

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले के विभिन्न थानों में 5 साल से ज्यादा समय से जमे 96 कांस्टेबलों की कुर्सी अब हिलने वाली है। एसपी योगेश गोयल ने ऐसे सभी कॉन्स्टेबलों की सूची निकाली है। विभाग में उनके तबादलों की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके बाद थानों में हलचल मची हुई है। यह प्रक्रिया प्रशासनिक है और इसका मकसद पुलिसिंग को ज्यादा पारदर्शी और प्रभावी बनाना है। उधरए 53 कॉन्स्टेबलों को हेडकॉन्स्टेबल के पद पर प्रमोट किया गया है।

इस प्रक्रिया में लंबे समय से जमे हैं भींडर में 6, प्रतापनगर और गोवर्धनविलास में 5-5, वल्लभनगर, हिरणमगरी, हाथीपोल, घंटाघर, सूरजपोल और सवीना में 4-4 कॉन्स्टेबल शामिल हैं। अंबामाता, कोटडा, ओगणा, महिला थाना, भूपालपुरा, खेरवाडा और डबोक में तीन-तीन, जबकि कानोड, घासा, पानरवा, पर्यटन थाना, सायरा और फतहनगर में दो-दो कांस्टेबल वर्षो से एक ही जगह तैनात हैं। कई चौकियों और थानों में एक-एक कॉन्स्टेबल भी लंबे समय से जमे हुए हैं।

इधर, जिले में पदोन्नति की प्रक्रिया भी पूरी कर ली गई है। एसपी योगेश गोयल के आदेश पर 53 कांस्टेबलों को हेडकॉन्स्टेबल पद पर प्रमोट किया गया है। इसमें 6 महिला कॉन्स्टेबल भी शामिल हैं। प्रमोशन के बाद तीन कॉन्स्टेबल सलूम्बर जबकि एक.एक कॉन्स्टेबल चित्तौडगढ, करौली, सीकर, बालोतरा,जयपुर,जैसलमेर और अलवर भेजे गए हैं। एक कॉन्स्टेबल को एसीबीए उदयपुर में तैनाती दी गई है। अन्य प्रमोट हुए कर्मचारियों को जिले के विभिन्न थानों में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है।एसपी योगेश गोयल का कहना है कि इस पूरे अभ्यास का मकसद सिर्फ तबादले नहीं बल्कि सिस्टम को चुस्त.दुरुस्त करना है ताकि आम जनता को बेहतर और निष्पक्ष पुलिसिंग देखने को मिल सके।

थाना अधिकारी का स्वागत

राजसमंद, (निसं)। केलवा कस्बे में नव नियुक्त थाना अधिकारी सुबोध कुमार जांगिड का केलवा रेगर युवाशक्ति की ओर से भव्य स्वागत किया गया। संगठन के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने थाना अधिकारी का पारंपरिक तरीके से अभिनंदन करते हुए उन्हें मेवाडी पगडी व उपरना ओढाकर सम्मानित किया। थाना अधिकारी सुबोध कुमार जांगिड ने स्वागत के लिए रेगर युवाशक्ति का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता का सहयोग पुलिस की सबसे बडी ताकत है। उन्होंने आश्वासन दिया कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण तथा आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए पुलिस सदैव तत्पर रहेगी।

शोभा यात्रा निकाली

डूंगरपुर। माधव बस्ती का विराट हिन्दू सम्मेलन पंडित दीनदयाल उपाध्याय भवन में दोपहर चार बजे आयोजित भयावता पूर्ण हुआ जिसमें कॉलोनी के 800से अधिक संख्या में सर्व हिन्दू समाज के सनातनी सम्मिलित हुए। विराट हिन्दू सम्मेलन माधव बस्ती आयोजन समिति के पालक मुकेश श्रीमाल ने बताया विराट हिन्दू सम्मेलन के तहत दोपहर 03 बजे श्री अम्बे माता मंदिर प्रताप नगर से भव्य शोभा यात्रा निकाली जिसमें आगे तीन अश्व रहे जिस पर रानी लक्ष्मी बाई, महाराणा प्रताप और गोविंद गुरु के रूप में अश्वारूढ भगवा ध्वज लिये सनातनी रहे। जिसके पीछे बैंड जिसपर देश भक्ति और धार्मिक भजनों का गान होगा। बैंड के पीछे खुली जिप पर महाराणा प्रताप का छाया चित्र,एक भगवान राम का एवं ब्रह्मोस मिसाइल के छाया चित्र,उसके पश्चात स्वामी विवेकानंद , भारत माता, शिवाजी महाराज और अहिंसा परमो धर्म के छाया चित्र की झांकी रही।

हिन्दू सम्मेलन को लेकर गाजे बाजे के साथ निकली शोभायात्रा

राजसमंद, (निसं)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित शताब्दी वर्ष समारोह के तहत रविवार को जिला मुख्यालय पर द्वारकेश बस्ती द्वारा आयोजित हिंदू सम्मेलन में सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक कर्तव्य और कुटुंब प्रबोधन जैसे पंच परिवर्तन के माध्यम से समाज सुधार का संकल्प लिया गया।

सम्मेलन का शुभारंभ दोपहर एक बजे कुमावत समाज नोहरा हाथीनाडा स्थित केदारेश्वर महादेव मंदिर से भव्य शोभायात्रा के साथ हुआ। गाजे.बाजे और ढोल.नगाडों की थाप पर निकली इस यात्रा में हजारों की संख्या में मातृशक्ति शामिल हुई। करीब 2100 महिलाएं सिर पर मंगल कलश धारण कर नृत्य करती हुई चल रही थीं। शोभायात्रा में बाबा रामदेवए प्रभु चारभुजा नाथ और सांवरिया सेठ की मनमोहक झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। भारत माता का रूप धरे नन्ही बालिका और प्रभु श्रीनाथजी के स्वरूप के साथ सेल्फी लेने के लिए लोगों में होड मची रही। मार्ग में मुखजी चौराहाए जेके मोड और कांकरोली पुराने बस स्टैंड पर स्थानीय निवासियों ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का भव्य स्वागत किया। धर्मसभा में मुनि संबोध कुमार मेघांश, मुनि विशाल कुमार, मुख्य वक्ता विहिप के सुरेन्द्र सिंह राव, विशिष्ट अतिथि किन्नर समाज प्रमुखा पारसमणी भुआजी, कार्यक्रम संयोजक चंद्र मोहन सोलंकी, सह संयोजक अशोक रांका मंचासिन थे। जबकि अध्यक्षता द्वारकाधीश मंदिर के विशेषाधिकारी देव शंकर शास्त्री ने की। धर्मसभा का आगाज भारत माता की छवि के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। रजनीकांत साहू ने कार्यक्रम का परिचय एवं सह संयोजक अशोक रांका ने स्वागत उद्बोधन दिया। मोहन कुमावत ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। ललित खींची ने काव्य गीत प्रस्तुत किया। इस दौरान फतेहचंद शामसुखा, मिठ्ठालाल शर्मा, कौशल गौड, विधायक दीप्ति माहेश्वरीए पूर्व विधायक बंशीलाल गहलोत, भाजपा जिलाध्यक्ष जगदीश पालीवाल, प्रधान अरविंदसिंह राठौड, कमल जैन, सुनिल दाधीच , पुरूषोतम लक्षकार, कमलेश हिंगड, चांदमल जोशी, हेमंत पालीवाल रॉयल अनिल खंडेलवाल घनश्याम बागोरा दिनेश पामेचा पूर्व सभापति सुरेश पालीवाए जगदीश कुमावए सुशील बडाला हरीश कुमावत कमल गौड, तरुणा कुमावत, सविता सनाढ्य, प्रेम हाडा, सहित बडी संख्या में महिला पुरुष मौजूद थे। आभार हिम्मत कुमावत ने ज्ञापित किया।

खनन व खनिज उद्योगों में पर्यावरणीय स्थिरता विषय पर किया मंथन

उदयपुर, (कासं)। 'पर्यावरणीय स्थिरता मानव समाज के निरन्तर अस्तित्व, समृद्धि और स्वास्थ्य के लिए मूलभूत शर्त है। हमारी न्यू जनरेशन को स्पीड और टेक्नोलॉजी पर ध्यान केंद्रित करना होगा ताकि भविष्य को सुनहरा बनाया जा सके।'

उक्त विचार मुख्य अतिथि एमपी सिंह, प्रधान मुख्य अभियंता, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण विद्युत मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली ने व्यक्त किए। सिंह भूपाल नोबल्स स्नातकोत्तर महाविद्यालय में भूविज्ञान विभाग द्वारा खनन और खनिज उद्योगों में पर्यावरणीय स्थिरता विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के समापन पर बोल रहे थे। सम्मानित अतिथि प्रो विनोद अग्रवाल सदस्य, भारत सरकार नई दिल्ली स्थित एमओईएफसीसी की विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति,(सि एण्ड टीपी) अपने उद्बोधन में कहा कि पर्यावरण स्थिरता सरकार और समाज दोनों की जिम्मेदारी है। वर्तमान में खनन उद्योग विभिन्न प्रावधानों एवं कानूनों के तहत कार्य कर रहा है ताकि पर्यावरण को सुरक्षित रखा जा सके। आयोजन सचिव डॉ हेमंत सेन ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि कुल 33 शोध पत्र प्राप्त हुए हैं तथा उच्च गुणवत्ता वाले शोध निष्कर्ष तथा विषय विशेषज्ञ के ज्ञान एवं अनुभव के निचोड से प्राप्त परिणाम पर्यावरणीय स्थिरता के संदर्भ में नई दिशाएं, नए परिवर्तन और नए आयाम स्थापित करेंगे।

संयुक्त आयोजन सचिव करण सिंह ने अतिथियों का स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया एवं देवेंद्र सिंह ने तकनीकी सत्रों की जानकारी प्रदान की। कॉन्फ्रेंस के संदर्भ में विनोद पांडे, जाकिर हुसैन और डॉ एके वशिष्ठ ने अपने विचार प्रस्तुत किए। उच्च स्तरीय इस कॉन्फ्रेंस में डॉ विनोद अग्रवाल एवं डॉ हेमंत सेन ने एनवायरमेंटल सस्टेनेबिलिटी इन माइनिंग सेक्टर ,श्री वि के पांडे ने यूस ऑफ मेटल ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क इन एनर्जी ट्रांजिशन, प्रो सीमा जालान द्वारा सस्टेटिनिंग द अरावली-द डेफिनेशनल चैस इंप्लिकेशन ऐंड पोटेंशियल सॉल्यूशंस,एवं श्री सतीश कुमार श्रीमाली द्वारा स्टेट्री रिक्वायरमेंट्स फॉर द ग्रांट ऑफ एनवायरनमेंटल क्लियरेंस टू मेनटेन एनवायरनमेंटल सस्टेनेबिलिटी इस माइनिंग असद मिनरल इंडस्ट्रीज विषय पर विस्तार से चर्चा की गयी। साथ ही के वेंकटेश्वरलु, बी सुडौलू,पी रवि किरण ने सस्टेनेबल कॉल माइनिंग- द सिंगरेनी एप्रोच विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष प्रो रेणू राठौड एवं कॉन्फ्रेंस निदेशक प्रो रितु तोमर ने सभी विषय विशेषज्ञों एवं अतिथियो को स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। कॉन्फ्रेंस के मुख्य संरक्षक समानार्थ मानद कर्नल प्रो. शिव सिंह सारंगदेवोत, संरक्षक डॉ.महेंद्र सिंह राठौड, सह संरक्षक श्रीमान मोहब्बत सिंह राठौड, प्रो चेतन सिंह चौहान,डॉ निरंजन नारायण सिंह राठौड, डॉ युवराज सिंह राठौड ने कॉन्फ्रेंस के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की। सभी संकाय अधिष्ठाता एवं सदस्य इस अवसर पर उपस्थित रहे। संचालन डॉ .तन्वी अग्रवाल द्वारा किया गया।

सार-समाचार

'कांग्रेस डूबती नाव, जो बैठेगा डूबेगा'

उदयपुर, (कासं)। कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराडी ने कहा कि जो डूबत नाव में बैठेगा वह डूबेगा। कांग्रेस डूबती नाव है। देशभर में कांग्रेस समाप्त हो रही है। वागड के बडे नेताओं में शामिल महेन्द्रजीत मालवीय के बीजेपी से कांग्रेस में जाने के बाद बयानबाजी तेज हो गई है। राजस्थान के कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराडी ने कहा कि जो डूबती नाव में बैठेगाए वह डूबेगा। कांग्रेस डूबती नाव है। देशभर में कांग्रेस समाप्त हो रही है। जब वे भाजपा में आए थे तो उनका स्वागत किया था और अब गए हैं तो धन्यवाद। जनजाति मंत्री खराडी ने कहा कि मालवीय के जाने से वागड में कोई सियासी समीकरण बदलने वाला नहीं है। उन पर किसी तरह का कोई दबाव नहीं है। वे कांग्रेस से भाजपा में अपने मन से आए थे और अब वापस भी अपने मन से गए हैं। भाजपा छोडने के दूसरे दिन एसीबी की रेड पर मंत्री खराडी ने कहा कि उनके यहां ईडी का भी छापा पडा था। उनके कई व्यवसाय हैं और कई काम हैं। एजेंसियां हमारे व्यवसाय पर नजर रखती हैं और समय.समय पर ऐसी कार्रवाई होती रहती है। ये जानकारी सरकार को रहनी चाहिए। ऐसा कुछ नहीं है कि उनके जाते ही एजेंसियों ने कोई छापा मारा हो। ये तो चलता रहता है। अगर ऐसा नहीं होगा तो लूटपाट होगी और जनता के पैसे का दुरुपयोग होगा। बता दें कि पूर्व मंत्री महेन्द्रजीत सिंह मालवीय ने 9 दिन पहले भाजपा छोड दी थी। उन्होंने कहा था कि भाजपा में मेरा दम घुट रहा है। सत्ता में होते हुए भी मैं जनता के काम नहीं करा पा रहा हूं। भाजपा सरकार में गरीबों की सुनने वाला कोई नहीं है। मनरेगा का भुगतान महीनों से अटका है किसानों को खाद नहीं मिल रहा। मैंने कई बार मुख्यमंत्री और प्रदेशाध्यक्ष को चिट्ठी लिखी लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ। दो साल में ही भाजपा से मोह भंग हो गया।

जैन समाज की टीम ने फहराया परचम

बांसवाड़ा, (निसं)। महिला क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मैच जैन समाज व सिन्धी समाज की टीमों के बीच लियो इंटरनेशनल स्कूल मैदान में हुआ। मुख्य अतिथि पूर्व सभापति जैनेंद्र त्रिवेदी रहे जबकि बतौर अतिथि अनिल मेठाणी, कपिल जोशी, श्री राजपूत करणी सेना के महेंद्र भुवासा, हरीश कलाल, जैन समाज के सनत जैन, मनीष सोनी, सिंधी समाज महिला अध्यक्ष मनाली मेठानी, पूनम सोतानी मौजूद रहे। आयोजक रेखा कंसारा व प्रवीणा सोनी ने स्वागत किया। अपूर्वा जैन ने कविता के माध्यम से महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया। संचालन पुष्पा सैनी ने किया जबकि आभार प्रविणा सोनी ने माना। विजेता जैन समाज की टीम रही जिनमें कप्तान अर्पिता जैन, अर्पिता जलेश, जागृति, रीना, एकता, सुहानी, अपूर्वा, कोमल, पलक, पिंकी, स्वीटी व निकिता जैन शामिल रही वहीं सिंधी समाज की टीम में निशा संतवानी, नंदनी मेठानी, लतिका तलदार, दिव्या वाधवानी, वर्षा तेहरानी, अवनी प्रेमचंदानी, सोनिया लालवानी, मीनू गुरवानी, रश्मि तलरेजा, अंकिता छाबडा शामिल रही। बेस्ट वुमन ऑफ द मैच एकता जैन, बेस्ट बेट वुमन अर्पिता जैन, बेस्ट बॉलर एकता जैन व वुमन ऑफ द सीरिज लतिका तलदार रही। इस अवसर पर पूर्व सभापति जैनेन्द्र त्रिवेदी ने कहा कि जिले में महिला टीमों का मैदान में उतरना शुभ संकेत है। उन्होंने कहा कि बदलते समय में महिलाओं को अपनी सोच बदलनी होगी। आयोजक रेखा कंसारा ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों से लगातार हो रहा यह आयोजन धीरे-धीरे रंग दिखाता जा रहा है।

भंडार से 17.92 लाख रुपए निकले

कपासन, (निसं)। श्री शनिमहाराज आली के मासिक भंडार शनिवार को खोले गए। इन भंडारों से 17 लाख 92 हजार 980 रुपए की भेंट राशि प्राप्त हुई है। नोटों की गिनती पूरी हो चुकी है, जबकि सिक्कों की गिनती अभी बाकी है।श्री शनिमहाराज आली में हर महीने अमावस्या से पहले चतुर्दशी पर भंडार खोले जाते हैं। तीर्थ स्थलप्रबंध कार्यकारिणी कमेटी के सचिव कालू सिंह चौहान ने बताया कि सुबह श्री शनिदेव की विशेष पूजा अर्चना के बाद भंडार खोले गए। कमेटी के अध्यक्ष नरेंद्र पाल सिंह, उपाध्यक्ष माधुलाल जाट और संरक्षक पवन कुमार सांखला की मौजूदगी में मुख्य मंदिर, नवठाह मंदिर और तेल कुंड के भंडारों से भेंट राशि निकाली गई। मंदिर परिसर में ही गिनती की गई, जिसमें शाम 8:30 बजे तक नोटों की गिनती पूरी हुई। कुल 17 लाख 92 हजार 980 रूपए प्राप्त हुई।कुल 17 लाख 92 हजार 980 रुपए की राशि प्राप्त हुई है। सिक्कों की गिनती सोमवार को की जाएगी। मंत्री छगन गुर्जर, सदस्य गोपाललाल सुथार, रामेश्वर सुथार, कालूराम कुम्हार, कालूराम कीर, रामचंद्र कीर, भेरूलाल लोधा, भेरूलाल लोहार, भेरूलाल जाट, मदन सिंह, रूपलाल गायरी, टोलूदास, देवी सिंह चारण सहित कर्मचारी और श्रद्धालुओं ने गिनती में सहयोग किया।

राम रॉयल्स रही विजेता

डूंगरपुर। सरदार पटेल सेना द्वारा आयोजित सरदार पटेल प्रीमियर लीग का समापन हुआ। सरदार पटेल प्रीमियर लीग के समापन समारोह में कार्यक्रम की अध्यक्षता देवीलाल नवाडेरा ने की। मुख्य अतिथि पूर्व उपजिला प्रमुख प्रेमकुमार पाटीदार रहे। विशिष्ट अतिथि कवि सुनील पटेल नेजपुर, रामलाल नवाडेरा, खेल प्रभारी भाणालाल पटेल, शंकर पटेल मोकरवाडा, वल्लभराम पाटीदार रहे।प्रेमकुमार पाटीदार ने कहा कि अपने अभ्यास पर भरोसा रख जीत की नींव रखी जाएगी। नौजवान कभी भी हारने से नहीं डरें। सामाजिक संगठन को मज़बूत बनाने में अपना योगदान दें तो युवाओं का महत्व बढ़ेगा। युवाओं के लिए सहयोग करने में मैं कभी पीछे नहीं हटूँगा। कवि सुनील पटेल ने बताया कि पटेल समाज के युवा वर्ग के आरक्षण की लड़ाई को लड़ने में सहयोग करें। वर्ग के लिए सरदार पटेल सेना के नेतृत्व में आरक्षण की लड़ाई को मज़बूती से लड़ा जाएगा।सरदार पटेल प्रीमियर लीग सीजन -3 का फाइनल मैच श्री राम रॉयल्स व लालगर स्वामी नेजपुर किंग्स के बीच खेला गया। जिसमें श्री राम रॉयल्स डूंगरपुर ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 152 रन का लक्ष्य दिया। जिसका पीछा करते हुए लालगर स्वामी किंग्स 119 रन ही बना पाई। जिसमे श्री राम रॉयल्स ने 32 रन से जीत प्राप्त की। मैच में सुरेंद्र ने 60 ,हिमांशु ने 43, गोपाल ने 27, गिरीश ने 20 रन बनाए। जिसमे मैन आफ़ द मैच मोलिक पाटीदार रहे। आभार संजय पाटीदार नवाडेरा ने जताया।

भूमि पूजन और धर्मध्वजा स्थापना की

बांसवाड़ा, (निसं)। आगामी 25 जनवरी को होने वाले विराट हिन्दू सम्मेलन और गंगाजल कलश यात्रा के लिए बुडवा राउमावि खेल मैदान में विधिवत भूमि पूजन कर धर्मध्वजा स्थापित की गयी। आयोजन के पालक लालसिंह सोलंकी व महेश पानेरी ने बताया कि संयोजक आचार्य किशोर शुक्ला के आचार्यत्व, पंडित प्रकाश जोशी के सहयोग से डॉ स्वामी विवेकानंद महाराज के सानिध्य में यजमान रतना मईडा और बड़ोदिया मंडल के सभी गांवों से आगंतुक सर्व सनातन हिंदू समाज के प्रतिनिधियों ने भूमि पूजन और धर्मध्वजा स्थापित की। डॉ. स्वामी विवेकानंद महाराज ने बड़ोदिया मंडल के सर्व सनातन हिंदू समाज का आ ान करते हुए कहा कि सामाजिक समरसता, हिन्दू एकता और सनातन धर्म को मजबूत करने के पवित्र उद्देश्य से बड़ोदिया, इटाउवा, बुड़वा खेड़ी, पंचोरपाड़ा, पाड़लीया, सेवना, केवड़िया, बंबोरी, चिरोला, हमीरपुरा बड़ा, लक्ष्मीपुरा का हिंदू समाज अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होकर आयोजन को दिव्य भव्य ऐतिहासिक बनाए। आयोजन अध्यक्ष अशोक पंचाल ने बताया कि 25 जनवरी को आयोजित विशाल हिंदू सम्मेलन में सर्वप्रथम प्रातः में कलश वितरण किये जाएंगे एवं प्रातः 10 बजे विराट धर्म सभा का आयोजन किया जाएगा। जिसमें मठ, मंदिर धुनी, धाम के संतों, महंतो, आचार्यों, मेट, कोटवालो के प्रवचन व सानिध्य प्राप्त होगा। इसके पश्चात हनुमान मंदिर से गंगाजल कलश यात्रा निकाली जायेगी जो नगर भ्रमण कर धर्मसभा स्थल पर पहुंचेगी। जिसके पश्चात् महाप्रसाद भंडारे का आयोजन होगा। कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र जोशी ने भामाशाहों का आभार मानते हुए बताया कि मंडल का सर्व सनातन हिंदू समाज तन, मन, धन से मुक्त हस्त भरपूर सहयोग कर रहा है।

प्रारूप-10 (नियम-6(7) देखिए)

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगरपरिषद राजसमन्द

सं. 8567 **लोक सूचना** दिनांक: 16.1.26

श्री मनोहर लाल व हरीश कुमावत पिता श्री जगदीश चन्द्र कुमावत निवासी कांकरोली तहसील व जिला राजसमन्द द्वारा इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर कृषि प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है अर्थात् -

क्र. सं.	जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्रफल
1.	राजसमन्द	आसोटिया	1934/625	0.2428 हैक्टेयर

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक16.1.26 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त, नगरपरिषद, राजसमन्द